

---

सङ्गणक-माध्यमेन अन्वयः- काश्चन समस्याः

Amba Kulkarni

*apksh@uohyd.ernet.in*

Department of Sanskrit Studies

University of Hyderabad

Hyderabad

---

को नाम अन्वयः

रामः ग्रामं गच्छति

इति वाक्ये

रामः इति गमन क्रियायाः कर्ता

ग्रामम् इति गमन क्रियायाः कर्म

इति अन्वयः अपेक्षितः

---

इदम् अन्वय-ज्ञानम् कथम् जायते?

तत्र पद-विश्लेषणम् प्रथमम् आवश्यकम्

रामः = राम 1 पुं ए

ग्रामम् = ग्राम 2 पुं ए

गच्छति = गम् लट् कर्तरि प्रपु ए

---

परन्तु इदम् न पर्याप्तम्  
पद - विश्लेषणानन्तरम् एकस्य पदस्य अपर - पदेन सह कः  
सम्बन्धः इति अपि ज्ञातव्यम्  
पदस्य पदेन सम्बन्धः ज्ञायते त्रिभिः उपायैः

- अभिहितत्वेन
- विभक्त्या (उपपदेन, निपातेन )
- सामानाधिकरण्येन

---

rAma.h

grAmam

gacchati

---

anabhihite

gacchati

grAmam

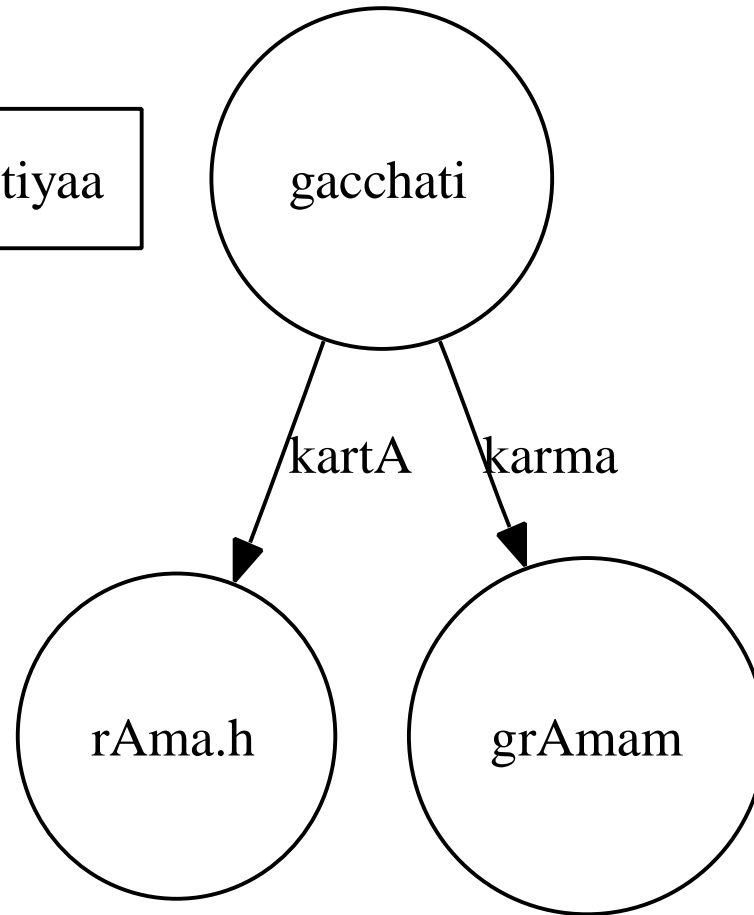
kartA

rAma.h

---

anabhihite

karma.ni dviitiyaa



---

अन्यम् एकम् उदाहरणम् पश्यामः

शकटं वनं गच्छति

अत्र पद-विश्लेषणं भवति-

शकटम् = शकट 1 नपुं ए / शकट 2 नपुं ए

वनम् = वन 1 नपुं ए / वन 2 नपुं ए

गच्छति = गमू लट् कर्तरि प्रपु ए



---

sakatam

vanam

gacchati

---

anabhihite

gacchati

kartA

kartA

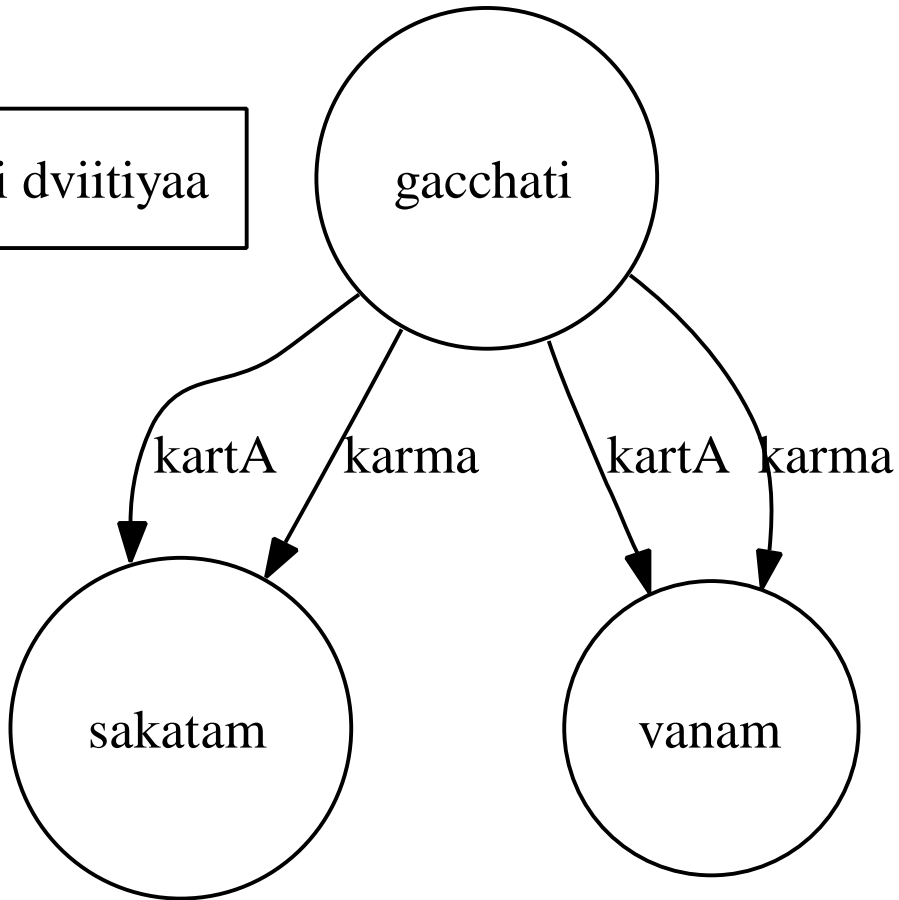
sakatam

vanam

---

anabhihite

karma.ni dviitiyaa



---

Every vibhakti denotes one and only one relation.

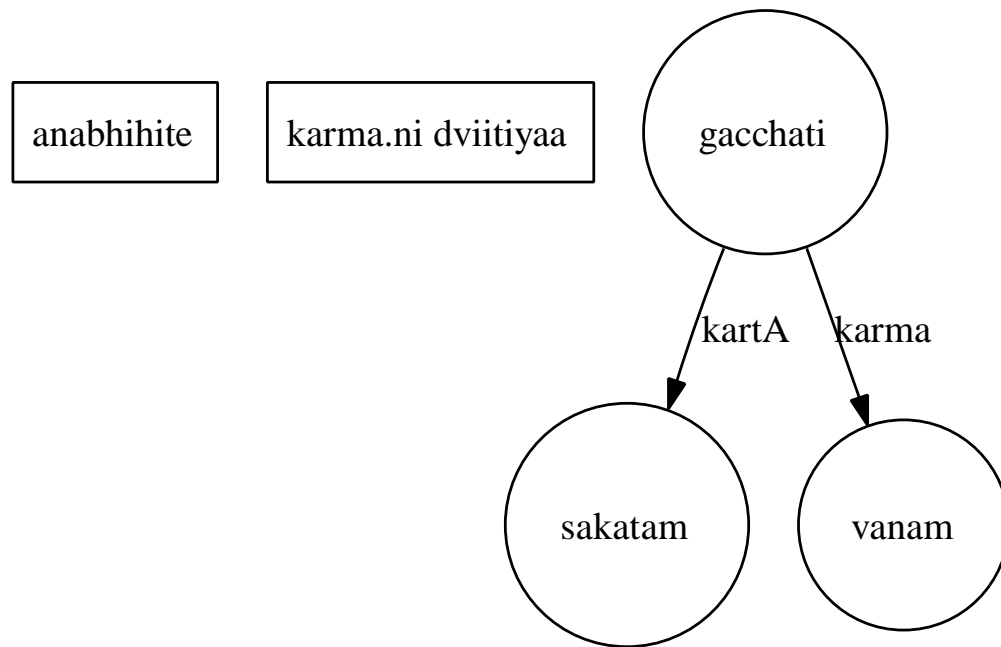
Every word in a sentence should be associated with some other word in the sentence.

Or in other words, there can not be unrelated words in a sentence.

There can not be more than one word representing the same kaaraka, unless the words are co-referential (samaanaadhikara.na).

---

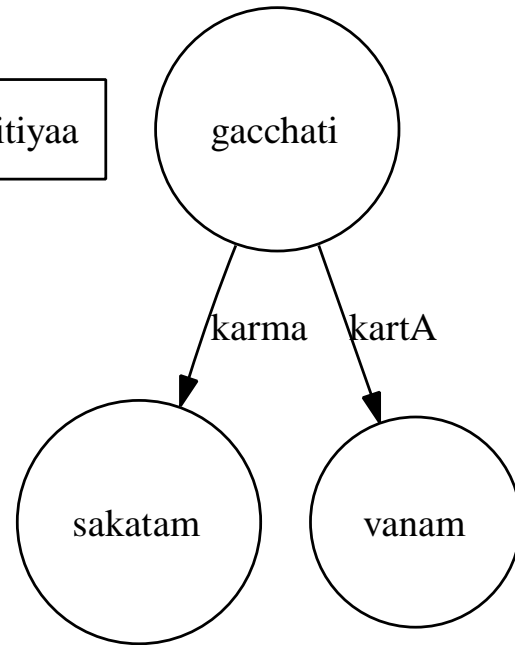
Thus there are 4 different possibilities.



---

anabhihite

karma.ni dviitiyaa



---

anabhihite

karma.ni dviitiyaa

gacchati

kartA

vanam

visheshanam

sakatam

---

anabhihite

karma.ni dviitiyaa

gacchati

karma

vanam

visheshanam

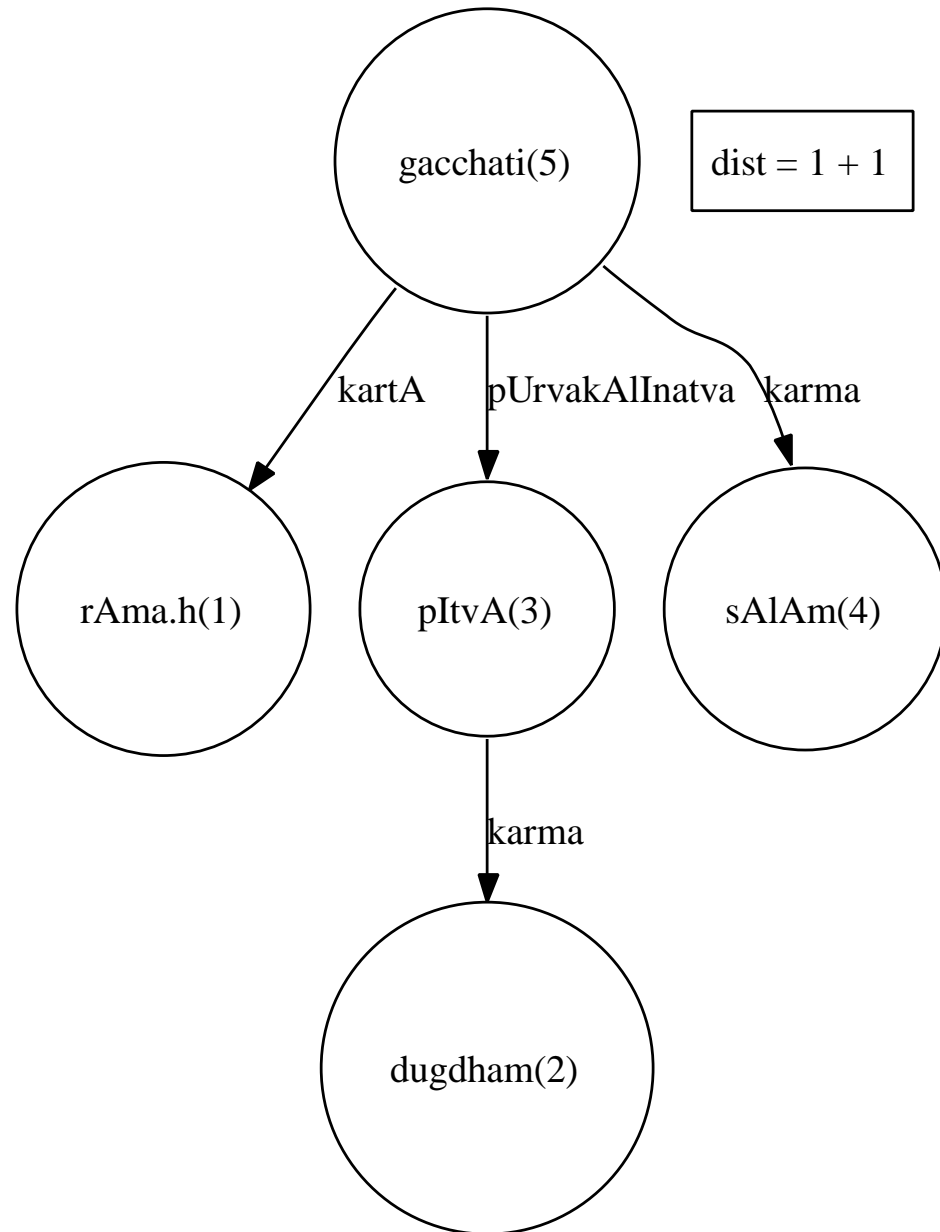
sakatam



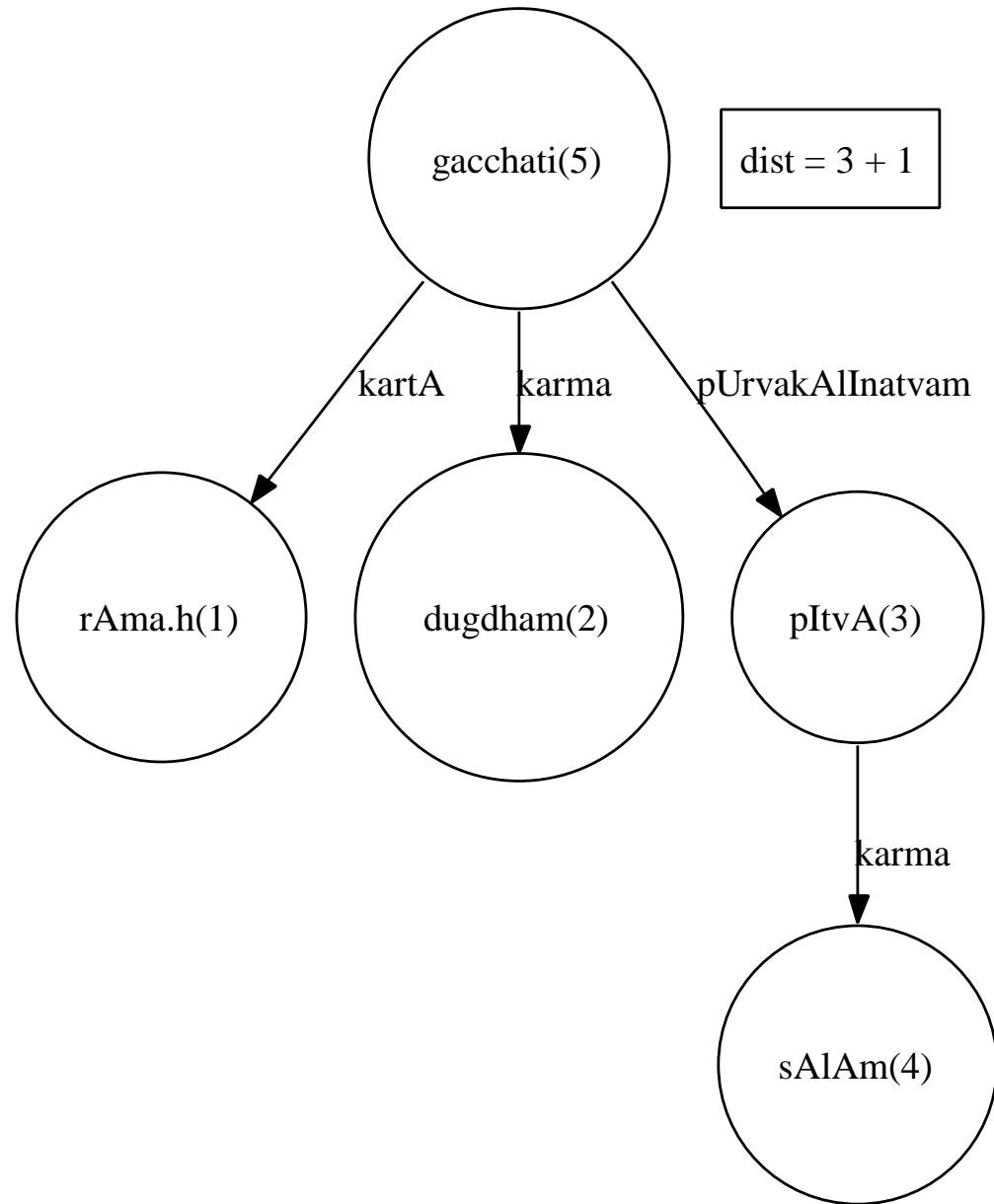
---

योग्यता एवं सन्निधि  
रामः दुग्धं पीत्वा शालां गच्छति  
अत्र दुग्धं एवं शालां द्वयोरपि द्विवचनयोः









---

गुहेन लक्ष्मणेन सीतया च सहितः रामः वनेन वनं गत्वा  
बहूदकाः नदीः तीर्त्वा भरद्वाजस्य शासनात् चित्रकूटम्  
अनुप्राप्य वने रम्यम् आवसथं कृत्वा देवगन्धर्वसङ्काशाः ते  
त्रयः रममाणाः सुखं न्यवसन्